65/107 8892/07 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs.5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186155

विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य	: रू0 5,20,060/-
बाजारू मूल्य	: रू0 3,04,700/-
स्टाम्प शुल्क	: रू0 52,100/-
परगना	: लखनऊ

यह विक्रय विलेख **कुँज विहारी व राजू पुत्रगण श्री दुलारे निवासी – ग्राम अहमामऊ, परगना, तहसील व जिला लखनऊ** जिन्हें आगे विक्रेतागण कहा गया है, **एवम्**

11050

क्रम संख्या 29/10/04

स्टाम्प विक्रय की तिथि ....

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ....

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता ....

स्टाम्प की धनराशि 5000

दुर्गा प्रसाद मिश्रा ला०नं० 65

...० की अवधि 31-3-2005 त्रिवेणी नगर लखनऊ

5,20,060/-

Fee 5100 + 10 = 5120/-

कुंज बिहारी पुत्र दुलारे

30-10-04

30-10-04

कुंज बिहारी

कुंज बिहारी व राजू पुत्रगण दुलारे ... से देशराज पुत्र ... उक्त ने स्वीकार किया

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs. 5000

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186136

कोषागार लखनऊ
26 OCT 2004
A.T.O/T.O.
TRY.LKO.

देशराज पुत्र शंकर, निवासी–ग्राम –जगनपुरवा, बेरागढी, जिला–फतेहपुर जिसे आगे क्रेता कहा गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेतागण भूमि खसरा 804 रकबा 0.554 हेक्टेअर के 1/2 भाग अर्थात 0.277 हेक्टेअर स्थित ग्राम अहमामऊ, परगना, तहसील व जिला, लखनऊ, का मालिक, कामिल व काबिज है तथा उपरोक्त सत्यापित षटवार्षिक खाता खतौनी क्रम

11070

क्रम संख्या 29/10/04

स्टाम्प विक्रय की तिथि ......

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ...... बैनामा

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता ...... देवराज नि० इंदौर

स्टाम्प की धनराशि 5000/-

दुर्गा प्रसाद मिश्रा स्टाम्प वेंडर

ला० की अवधि 31-3-2005 त्रिवेणी नगर लखनऊ

पेशा व्यापार

सिविल लाइन्स

उप निबन्धक

30-10-04

नि० कुन्जबिहारी नि० राज नि० देवराज

उप निबन्धक

30-10-04

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

186154

संख्या 264 के अनुसार भूमि विक्रेतागण के नाम का अमल दरामद राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा क्रेता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेतागण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कामिल व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेतागण यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेतागण ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं बय, हिबा, गिरवी या

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186137

2 6 OCT 2004

A.T.O/T.O.
TRY.LKO.

अनुबन्धित इत्यादि नही किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्र्तगत विवाद का वस्तु विषय नही है, न ही कुर्क इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नही है, एवं विक्रेतागण को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रू0 5,20,060/– (पाँच लाख बीस हजार साठ रूपया) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त क्रेता द्वारा

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.   R$ 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186144

26 OCT 2004

A.T.O/T.O.
TRY.LKO.

विक्रेतागण की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागण यहाँ स्वीकार करता है, तदानुसार उक्त विक्रेतागण उक्त क्रेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त मे अनुसूची के अर्न्तगत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेतागण ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेतागण तथा उसके वारिसान

5000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000 रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186145

A.T.O/T.O. TRY.LKO. 26 OCT 2004

का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगे। विक्रेतागण उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नही डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेतागण के

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186146

24 OCT 2004
A.T.O./T.O.
TRY.LKO

स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जा व खर्चा, विक्रेतागण की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर ले। उस स्थित में विक्रेतागण एवं उसके वारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रू. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

186147

यह कि क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा लें तो विक्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेतागण भुगतान व वहन करेगें, विक्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम अहमामऊ, अर्धनगरीय क्षेत्र के विशिष्ठ ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

186148

26 OCT 2004

A.T.O/T.O.
TRY.LKO.

सरकिल रेट रू0 11,00,000/– प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.277 हेक्टेअर की मालियत 3,04,700/– होती है, चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजारू मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रू0 52,100/– जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नही है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास मे कोई निर्माण नही है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग,

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

186149

24 OCT 2004
A.T.O/T.O.
TRY.LKO

राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नही है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण व क्रेता दोनो अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

लिहाजा यह विक्रय पत्र हम विक्रेतागण ने क्रेता के पक्ष में बिना किसी जोर दबाव के लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवें।

1000Rs.

परिशिष्ट : विवरण विक्रयशुदा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा 804 रकबा 0.554 हेक्टेअर के 1/2 भाग अर्थात 0. 277 हेक्टेअर स्थित ग्राम अहमामऊ, परगना, तहसील व जिला, लखनऊ जिसकी चौहद्दी निम्न है।

खसरा न0 804 रकबा 0.554 हेक्टेअर

पूरब	: आराजी दीगर
पश्चिम	: खसरा संख्या–829 व 830

1000Rs.

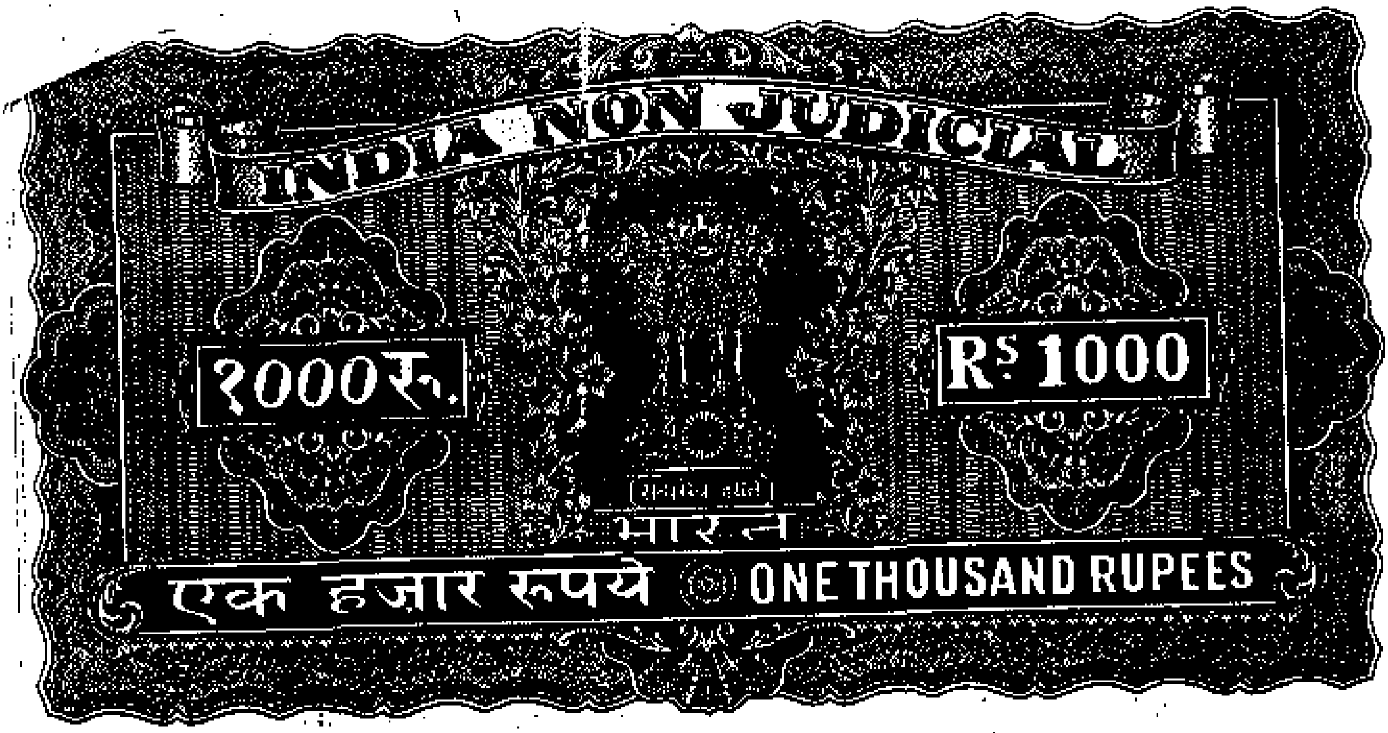

उत्तर : खसरा संख्या–805 व 829

दक्षिण : खसरा संख्या–834

<u>परिशिष्ट : भुगतान विवरण</u>

कुल रू0 5,20,060/– (पाँच लाख बीस हजार साठ रूपया) द्वारा चेक विक्रेतागण को क्रेता से प्राप्त हुए तथा

जिसकी प्राप्ति विक्रेतागण स्वीकार करते हैं।

लखनऊ
दिनांक: 29.10.2004

गवाह

1. [illegible]

2.

विक्रेतागण

क्रेता

टाईपकर्ता

(राम सनेही)

मसविदाकर्ता

(बेंकट रमन सिंह)
एडवोकेट

[illegible]

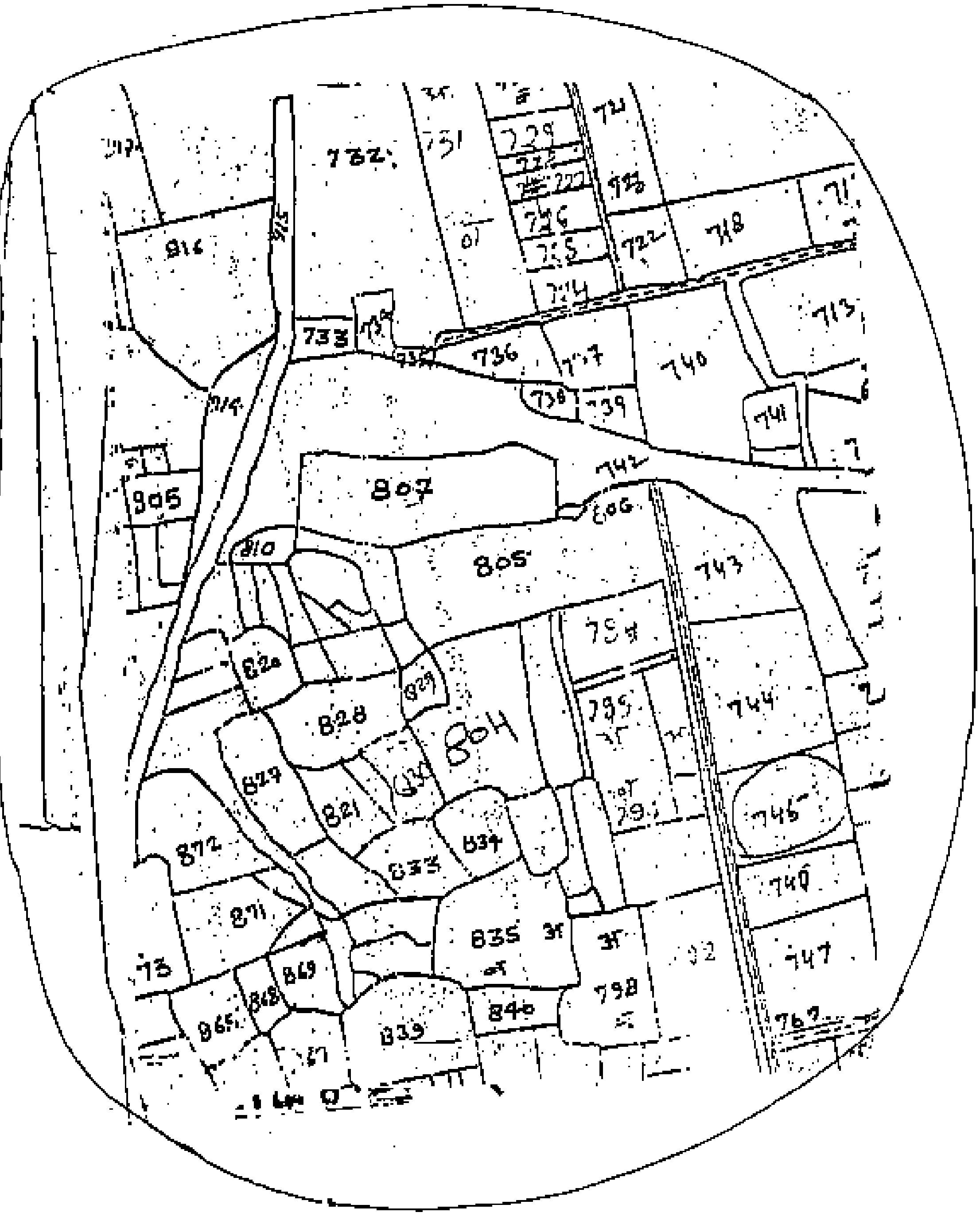

732
731
729
726
725
724
722
733
736
740
741
742
807
806
805
810
743
820
829
828
804
827
821
834
833
835
872
871
869
868
865
839
840
798
744
746
747

[illegible]

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टस्

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता :-------[illegible]--

बाये हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/ हस्ताक्षर

~~प्रस्तुतकर्ता~~/विक्रेता का नाम व पता :-----[illegible]--

बाये हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

विक्रेता/~~क्रेता~~ के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टस्

~~प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता~~ का नाम व पता :- [illegible]

बाये हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

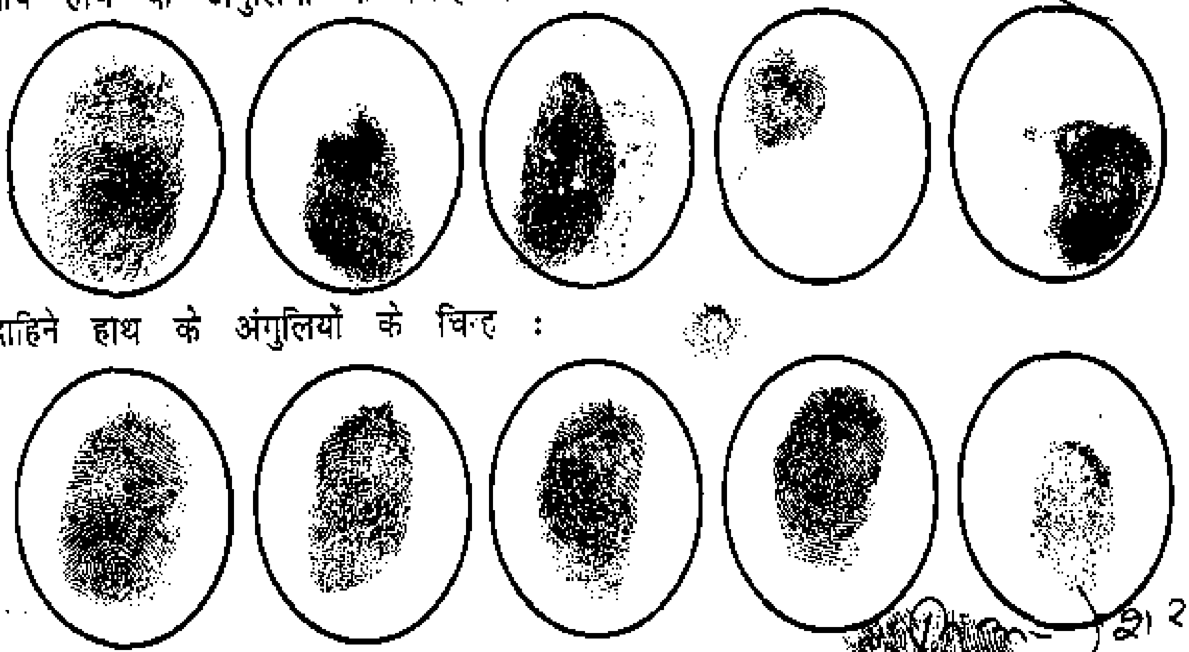

~~प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता~~ के हस्ताक्षर

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता :-

बाये हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 30/10/04 को
पुस्तक संख्या 1 खण्ड 4633
के. पृष्ठ 115 146 क्रमांक 8042
पर रजिस्ट्रीकरण किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (द्वितीय)
लखनऊ